TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

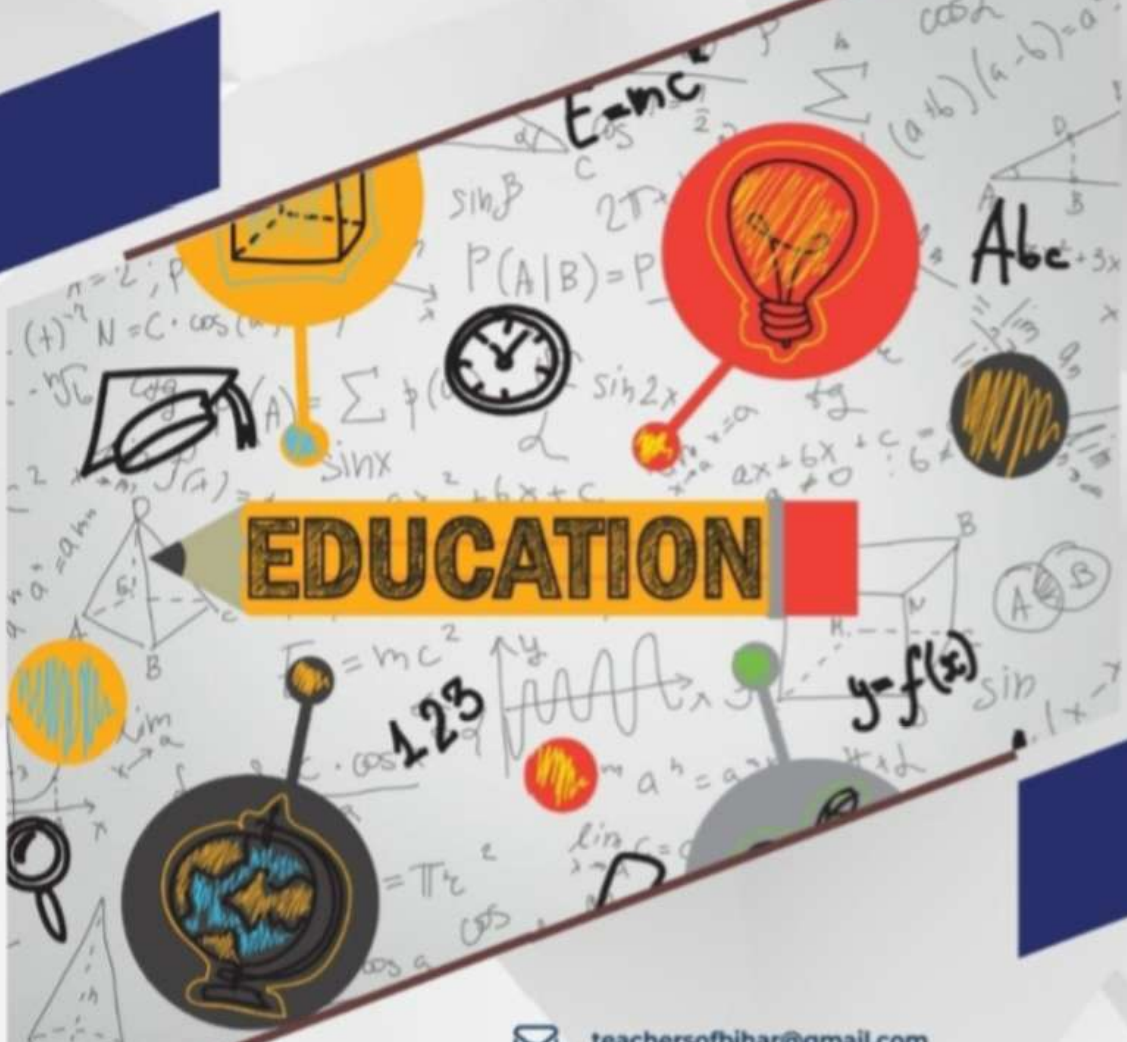

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

जयंती विशेष

04 जनवरी 2026

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

बिना देखे जियो लेकिन जो तुम हो वही रहो ।

लुई ब्रेल

(ब्रेल लिपि के आविष्कारक)

जन्म : 04 जनवरी 1809 मृत्यु : 06 जनवरी 1852

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

दिवस विशेष 4जनवरी

मधु प्रिया

अंतरराष्ट्रीय ब्रेल दिवस 4 जनवरी

अंतरराष्ट्रीय ब्रेल दिवस को संचार के साधन के रूप में ब्रेल के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने हेतु मनाया जाता है। विश्वभर में 04 जनवरी 2019 को पहला अंतरराष्ट्रीय ब्रेल दिवस मनाया गया था। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने विश्व ब्रेल दिवस के लिए 06 नवम्बर 2018 को प्रस्ताव पारित किया था। ब्रेल लिपि एक तरह की लिपि है, जिसको विश्व भर में नेत्रहीनों को पढ़ने और लिखने में छूकर व्यवहार में लाया जाता है। इस पद्धति का आविष्कार 1821 में एक नेत्रहीन फ्रांसीसी लेखक लुई ब्रेल ने किया था। यह अलग-अलग अक्षरों, संख्याओं और विराम चिन्हों को दर्शाते हैं। ब्रेल के नेत्रहीन होने पर उनके पिता ने उन्हें पेरिस के रॉयल नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर ब्लाइंड चिल्ड्रेन में भर्ती करवा दिया। उस स्कूल में "वेलन्टीन होउ" द्वारा बनाई गई लिपि से पढ़ाई होती थी, पर यह लिपि अधूरी थी। इस विद्यालय में एक बार फ्रांस की सेना के एक अधिकारी कैप्टन चार्ल्स बार्बियर एक प्रशिक्षण के लिये आए और उन्होंने सैनिकों द्वारा अँधेरे में पढ़ी जाने वाली "नाइट राइटिंग" या "सोनोग्राफी" लिपि के बारे में व्याख्यान दिया। यह लिपि कागज पर अक्षरों को उभारकर बनाई जाती थी और इसमें 12 बिंदुओं को 6-6 की दो पंक्तियों को रखा जाता था, पर इसमें विराम चिह्न, संख्या, गणितीय चिह्न आदि नहीं होते थे। ब्रेल को वहीम से यह विचार आया। लुई ने इसी लिपि पर आधारित किन्तु 12 के स्थान पर 6 बिंदुओं के उपयोग से 64 अक्षर और चिह्न वाली लिपि बनायी। उसमें न केवल विराम चिह्न बल्कि गणितीय चिह्न और संगीत के नोटेशन भी लिखे जा सकते थे। यही लिपि आज सर्वमान्य है। लुई ने जब यह लिपि बनाई तब वे मात्र 15 वर्ष के थे। सन् 1824 में पूर्ण हुई यह लिपि दुनिया के लगभग सभी देशों में उपयोग में लाई जाती है। text

Teachers of Bihar

The change makers

जयंती विशेष 04 जनवरी

4 जनवरी

नेत्रहीन लोगों की पढ़ने-लिखने में
मदद करने वाली 'ब्रेल लिपि' के आविष्कारक

लुई ब्रेल जी

की जयंती पर उन्हें शत् शत् नमन।

ब्रेल लिपि दृष्टिहीन लोगों के लिए शिक्षा, लिखित संचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अहम साधन है।

लुई ब्रेल (4 जनवरी 1809 – 6 जनवरी 1852) फ्रांस के शिक्षाविद तथा अन्वेषक थे जिन्होने अंधों के लिये लिखने तथा पढ़ने की प्रणाली विकसित की। यह पद्धति 'ब्रेल' नाम से जगप्रसिद्ध है। फ्रांस में जन्मे लुई ब्रेल अंधों के लिए ज्ञान के चक्षु बन गए। ब्रेल लिपि के निर्माण से नेत्रहीनों की पढ़ने की कठिनाई को मिटाने वाले लुई स्वयम भी नेत्रहीन थे।

TOB

खेल कॉर्नर

ICC टेस्ट रैंकिंग

टॉप 10 बॉलर्स

रैंक	प्लेयर	टीम	रेटिंग
1	जसप्रीत बुमराह	भारत	879
2	मिचेल स्टार्क	ऑस्ट्रेलिया	843
3	नोमान अली	पाकिस्तान	843
4	पैट कमिंस	ऑस्ट्रेलिया	841
5	मैट हेनरी	न्यूजीलैंड	836
6	मार्को यानसेन	साउथ अफ्रीका	825
7	स्कॉट बोलैंड	ऑस्ट्रेलिया	810
8	कगिसो रबाडा	साउथ अफ्रीका	807
9	जोश हेजलवुड	ऑस्ट्रेलिया	783
10	नाथन लायन	ऑस्ट्रेलिया	760

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द **04.01.2026**

ब्रेल लिपि

ब्रेल लिपि **(Braille script)** एक स्पर्शनीय लेखन प्रणाली है, जिसमें उभरे हुए बिंदुओं **(dots)** का उपयोग किया जाता है, जिसे नेत्रहीन **(blind)** और कम दृष्टि वाले **(low-vision)** लोग अपनी उंगलियों से छूकर पढ़ते और लिखते हैं; यह खुद कोई भाषा नहीं, बल्कि कई भाषाओं (जैसे हिंदी, अंग्रेजी) को कोडित करने का एक तरीका है, जो दृष्टिबाधितों को साक्षरता और लिखित जानकारी तक पहुंच प्रदान करती है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

अंटार्कटिका का साउथ पोल दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण और ठंडी जगहों में से एक है, जहां पहुंचना किसी भी इंसान के लिए आसान काम नहीं। लेकिन भारत की 18 साल की काम्या कार्तिकेयन ने इस आसान न दिखने वाले हिस्से पर फतह हासिल कर लिया है।

राकेश कुमार

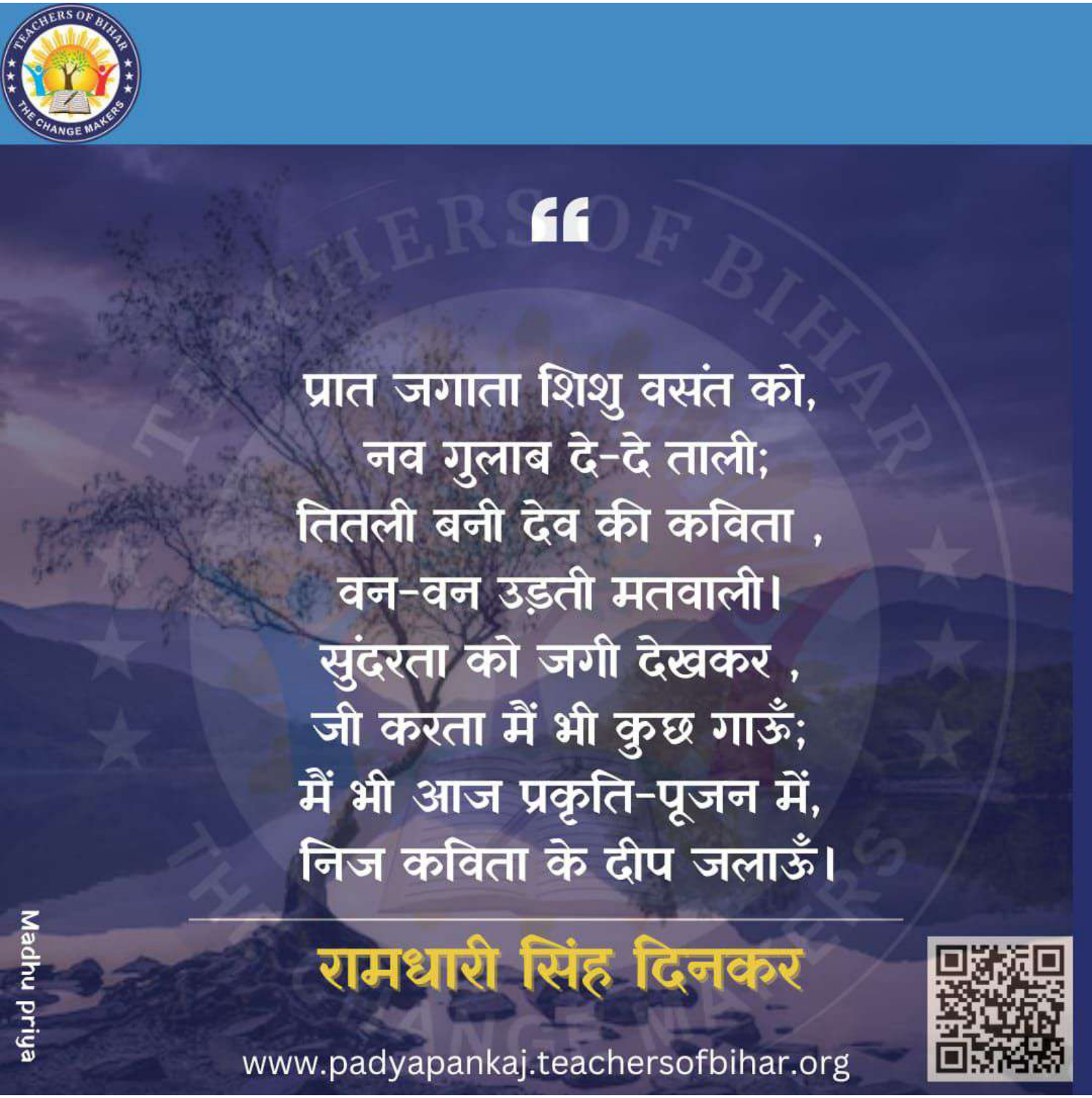

"

प्रात जगाता शिशु वसंत को,
नव गुलाब दे-दे ताली;
तितली बनी देव की कविता ,
वन-वन उड़ती मतवाली।
सुंदरता को जगी देखकर ,
जी करता मैं भी कुछ गाऊँ;
मैं भी आज प्रकृति-पूजन में,
निज कविता के दीप जलाऊँ।

रामधारी सिंह दिनकर

Madhu priya